

खबर संक्षेप

यूनियन से वार्ता के बाद बैंकों की हड़ताल टली

बहादुरगढ़। देशभर में बैंक कर्मचारियों ने 28 से 30 सितंबर तक तीन दिवसीय हड़ताल पर रहने का ऐलान किया था। हालांकि यूनियन से सरकार की बातचीत के बाद सहमति बन गई और यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस ने हड़ताल नहीं करने का फैसला किया है। सोमवार को एमआईई स्थित एसबीआई के निकट प्रदर्शन करने की घोषणा की थी। तीन दिन तक चलने वाली इस हड़ताल का बैंकिंग कामकाज पर बुरा असर पड़ना था। खासकर व्यापारियों और बाजार के कारोबारियों को नकदी जमा कराने, चेक क्लियरेंस व बैंक शाखाओं से जुड़े जरूरी कामों में परेशानी हो सकती थी। अब लोगों को राहत मिली है और सभी बैंक सोमवार से नियमित समय पर खुलेंगे और कामकाज भी होगा।

जिलास्तर पर आज लगेंगे समाधान शिविर

झज्जर। आमजन की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा सोमवार को जिला मुख्यालय सहित सभी उपमंडलों में समाधान शिविर सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक लगाए जाएंगे। प्रवक्ता ने बताया कि जिला स्तरीय समाधान शिविर में डीसी वर्षा खांगवाल व उपमंडल स्तरीय समाधान शिविर में संबंधित एसडीएम आमजन की समस्याएं और शिकायतें सुनेंगे।

लाडो लक्ष्मी योजना का जल्द कराएं पंजीकरण

झज्जर। डीसी वर्षा खांगवाल ने कहा कि दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना का उद्देश्य पात्र महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना और उन्हें आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना है। योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को 2100 रुपये की मासिक आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। उन्होंने कहा कि पात्र महिलाओं को योजना का लाभ दिलाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा पंजीकरण प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है।

छह लोगों पर हमला करने केस दर्ज

बहादुरगढ़। गांव लोहारहेड़ी में झगड़े के दौरान एक व्यक्ति पर डंडों से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। हमले में उसे काफी चोट आई। हमले की वजह अभी स्पष्ट नहीं है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर एक ही परिवार के 6 लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में लोहारहेड़ी के निवासी योगेंद्र ने कहा है कि 24 सितंबर की रात को वह अपने प्लाट के आगे सरकारी बैंच पर बैठा था। तभी पड़ोसी परिवार के 6 लोग वहां आए। आते ही डंडों से हमला शुरू कर दिया। उधर, सूचना पाकर पुलिस अस्पताल में पहुंची और घायल के बयान लिए। फिलहाल हमले की वजह स्पष्ट नहीं है। वहीं आरोपों की सत्यता भी जांच के बाद स्पष्ट हो सकेगी।



झज्जर। एयरपोर्ट के लिए रवाना होते हुए ग्रामीण व परिजन।

सुरुचि फौगाट को एयरपोर्ट से लाने के लिए रवाना हुए ग्रामीण व परिजन

झज्जर। क्षेत्र के गांव सासरौली की बेटी सुरुचि फौगाट के एंथिपल गेम्स में दस मीटर एयर पिस्टल मिसाइल में स्वर्ण पदक जीतने पर गांव में खुशी का माहौल है। ग्रामीण व परिजन बेटी के स्वागत की तैयारियों में जुटे हुए हैं। इसी कड़ी में ग्रामीण व परिजन सांघ अपनी बेटी के स्वागत के लिए दिल्ली एयरपोर्ट के लिए रवाना हुए। राजसिंह जाखड़ ने बताया कि पूरे गांव व आसपास क्षेत्र में खुशी का माहौल है। अपनी बेटी के स्वागत के लिए दिल्ली एयरपोर्ट जा रहे हैं। गांव में भी भव्य स्वागत किया जाएगा।

हादसे के लिए कंपनी प्रबंधन को जिम्मेदार ठहराया

▶▶ एनसीआर माइनर में 3 कर्मचारी डूबे थे, शिकायत देकर एफआईआर दर्ज कराने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

एनसीआर माइनर में हुए हादसे के बाद से मृतकों के परिजन और सहकर्मी आहत हैं। सहकर्मियों ने हादसे के लिए प्रबंधन को जिम्मेदार ठहराया हुआ है। मामले में एसडीएम बहादुरगढ़ को शिकायत भेजकर कार्रवाई की मांग की गई है।

शिकायत पर अजीत, उज्जवल, मलखान, अर्जुन, सिचन, संवय, विनोद, विपिन, उज्जवल आदि कर्मचारियों व मृतक के परिचितों ने हस्ताक्षर किए हैं। शिकायत में कहा गया है कि मालिक ने कंपनी में गणपति की मूर्ति रखवाई थी। कायदे

से तो उन्हें या प्रबंधन को ही मूर्ति का विसर्जन करना था लेकिन ऑन ड्यूटी कर्मचारियों को विसर्जन के लिए भेज दिया गया।

इसी दौरान हादसा हो गया और 3 कर्मचारी डूब गए। तीनों की मौत हो गई। तीसरे कर्मचारी शिवकांत का शव रविवार की दोपहर को मिल पाया है। इतना ही नहीं, हादसे के बाद न तो मालिक आया और न संपर्क किया। रविवार सुबह आकर हमें भदी गालियां और दौं। कंपनी मालिक, मैनेजर और सुपरवाइजर की लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ है। उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की जाए।



बहादुरगढ़। शिकायत लिखते कर्मचारी।

फोटो: हरिभूमि

बादली क्षेत्र में बाइपास पर पेलपा मोड़ के नजदीक हुआ था दर्दनाक सड़क

सीआईएसएफ जवान व उनकी पत्नी को एक ही चिता पर दी अंतिम विदाई

▶▶ एंबुलेंस चालक प्रमोद का भी गमगीन माहौल में हुआ अंतिम संस्कार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

बादली क्षेत्र में बाइपास पर पेलपा मोड़ के नजदीक हुए दर्दनाक सड़क हादसे में जान गंवाने वाले सीआईएसएफ के उप निरीक्षक सैनप्रकाश और उनकी पत्नी लक्ष्मी देवी का शनिवार को रेवाड़ी रोड स्थित बल्लू वाली श्मशान घाट में एक ही चिता पर अंतिम संस्कार किया गया।

सैनप्रकाश को सीआईएसएफ की ओर से सैन्य सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। वहीं हादसे में जान गंवाने वाले एंबुलेंस चालक प्रमोद का अंतिम संस्कार सांपला डाइवर्सन रोड स्थित रामबाग में किया गया। तीनों के अंतिम संस्कार के दौरान माहौल गमगीन रहा।

एसआई सैनप्रकाश और उनकी पत्नी के अंतिम संस्कार के मौके पर जिला प्रशासन की ओर से किसी अधिकारी के शामिल नहीं होने को लेकर परिजनों व लोगों में नाराजगी देखने को मिली। लोगों ने प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि सीआईएसएफ में सेवा दे रहे जवान और उसकी पत्नी की अंतिम विदाई के मौके पर प्रशासनिक प्रतिनिधि की मौजूदगी अपेक्षित थी। घटना के बाद परिवार में शोक का माहौल है।

चार माह में होनी थी सेवानिवृत्ति

उप निरीक्षक सैनप्रकाश फिलहाल दिल्ली स्थित संसद भवन में सीआईएसएफ इयूटी पर तैनात थे। वे करीब चार माह बाद सेवानिवृत्त होने वाले थे। वे दो पुत्रों व एक पुत्री के पिता थे। उनका बड़ा बेटा पंकज, छोटी पूनम व छोटा बेटा प्रीतम तीनों शादीशुदा हैं। अगस्त माह में इयूटी के दौरान दिल्ली के महिपालपुर में हुए एक सड़क हादसे में घायल होने के बाद उनका उपचार गुरुग्राम के निजी अस्पताल में चल रहा था। शनिवार वे चेकअप कराने के लिए अपने पुत्र पंकज व पत्नी लक्ष्मी देवी के साथ सीताराम गेट निवासी प्रमोद की एंबुलेंस से अस्पताल गए थे। वापसी के दौरान बादली स्थित बाइपास के पेलपा मोड़ के पास उनकी एंबुलेंस ट्राile से टकरा गई। इस हादसे में एंबुलेंस चालक प्रमोद की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सैनप्रकाश और लक्ष्मी देवी गंभीर रूप से घायल हो गए। उपचार के दौरान दोनों ने भी पीजीआई रोहतक में दम तोड़ दिया। हादसे में घायल सैनप्रकाश के बेटे पंकज का उपचार चल रहा है।



झज्जर। एसआई सैनप्रकाश व उनकी पत्नी के पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार के लिए ले जाते हुए परिजन।

फोटो: हरिभूमि



झज्जर। सैन्य सम्मान के साथ एसआई सैनप्रकाश को अंतिम विदाई देते हुए सैनिक।

फोटो: हरिभूमि

घर से एक साथ निकली दो अर्थियां, हर किसी की आंखें हुई नन

पोस्टमार्टम के बाद जब मृतक दंपति सैनप्रकाश व लक्ष्मी देवी का पार्थिव शरीर घर पहुंचा तो वहां पहले से ही लोगों की भीड़ जमा थी। उनका आंगन सांत्वना देने पहुंचे लोगों से भरा हुआ था। इस दौरान अद्वैतसैनिक अधिकारियों ने पहले जहां एसआई सैनप्रकाश के पार्थिव शरीर पर तिरंगा डालते हुए उन्हें नमन किया। इस बीच उनका घायल पुत्र पंकज भी अस्पताल से छुट्टी लेकर अपने माता-पिता की अंतिम यात्रा में शामिल हुआ।



झज्जर। पंकज को सहारा देकर घर ले जाते हुए परिजन।

फोटो: हरिभूमि

पालेराम बोले, भाजपा का पर्दा ओढ़कर कहीं और निष्ठा निभा रहे कुछ पार्षद

पूर्व वाइस चेयरमैन ने अपनी ही पार्टी के पार्षदों पर साधा निशाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

शहर में विकास कार्यों को लेकर विधायक और नगर परिषद चेयरपर्सन के बीच चल रहे विवाद में अब पूर्व वाइस चेयरमैन एवं पार्षद पालेराम ने प्रतिक्रिया दी है। रविवार को रेस्ट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने शनिवार को चेयरपर्सन के खिलाफ आरोप लगाने वाले पार्षदों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कुछ पार्षद भाजपा का नाम लेकर अपनी राजनीतिक निष्ठा जाहिर कर रहे हैं, जबकि वे पार्टी के कार्यक्रमों से दूर रहते हैं।

जिन पार्षदों ने भाजपा के वाइस चेयरमैन के खिलाफ वोट दिया और चेयरपर्सन को हटाने की कोशिश



बहादुरगढ़। पत्रकार वार्ता करते पूर्व वाइस चेयरमैन पालेराम शर्मा।

फोटो: हरिभूमि

की, उन्हें खुद को भाजपा का बताने से पहले शर्म आनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ पार्षदों की लाभ लेने की कोशिश रहती है। पिछले बोर्ड में कुछ लोग अपने हित साधने में लगे रहे और अब इस बोर्ड

में उन्होंने भाजपा के कुछ पार्षदों को भी अपने प्रभाव में ले लिया।

पालेराम ने कहा कि वे चेयरपर्सन सरोज राठी के कार्यों से संतुष्ट हैं, हालांकि विकास कार्यों की गति धीमी है और इस कमी को वे

स्वीकार करते हैं। उन्होंने कहा कि मुझे हटाने चेयरपर्सन को हटाने की कोशिशों के पीछे राजनीतिक कारण हैं।

शहर में कुछ राजनीतिक दलों और लोगों के गठबंधन को महाउग गठबंधन बताते हुए आरोप लगाया कि इसके एक व्यक्ति ने उन्हें भी सरोज राठी के खिलाफ अविश्वास

प्रस्ताव लाने के लिए कहा था। उन्होंने विधायक पर भी निशाना साधते हुए कहा कि जनता ने उन्हें 70 हजार वोटों के अंतर से जिताया, लेकिन वे कुछ लोगों के झंझों में आ रहे हैं।

इस अवसर पर पार्षद राजेश तंवर, प्रतिनिधि राजेश सैनी, रणवीर, मनमोहित आदि मौजूद रहे।

बादली रोड पर हादसा, ट्रक ने मारी टक्कर

गड्डे में गिरी ट्रैक्टर ट्राली, चालक की मौत

▶▶ हादसे के बाद कई देर तक यातायात रहा प्रभावित, शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंपा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

रविवार को शहर के बादली रोड पर बाइपास से निकलकर हुए एक सड़क हादसे में ट्रैक्टर-ट्राली चालक की मौत हो गई। मृतक की पहचान जिले के गांव छुछकवास निवासी किशोर कुमार पुत्र बनवारी लाल के तौर पर हुई है।

किशोर कुमार ट्रैक्टर-ट्राली लेकर खल-बिनौले लेने के लिए नजफगढ़ जा रहा था। जब वह शहर के बादली बाइपास से निकला तो पीछे से तेज गति से एक ट्रक ने उसकी ट्रैक्टर-ट्राली को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से ट्रैक्टर-ट्राली सड़क किनारे बने गड्ढे में जा गिरी। इस दुर्घटना में चालक किशोर की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद सड़क पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो गई और कई



झज्जर। नागरिक अस्पताल परिसर में पोस्टमार्टम के लिए कागजी कार्रवाई करता पुलिसकर्मी।

फोटो: हरिभूमि

देर तक यातायात प्रभावित रहा। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात व्यवस्था को सुचारू कराया। मामले के जांच अधिकारी जिले सिंह ने बताया कि मृतक किशोर कुमार दो बच्चों का पिता था। मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद उसे परिजनों को सौंप दिया गया है।

पिकअप की टक्कर से बाइक सवार की मौत

▶▶ आरोपी पिकअप चालक के खिलाफ मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

गांव लाडपुर में पिकअप की टक्कर से बाइक सवार व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंप दिया है। इस संबंध में आरोपी पिकअप चालक के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

मृतक की पहचान जितेंद्र के रूप में हुई है। जितेंद्र गांव लाडपुर बादली के निवासी थे। दिल्ली एयरपोर्ट में जांब करते थे। रोडमार्ग की तरह 25 सितंबर की सुबह करीब साढ़े 4 बजे

गांव के निवासी दीपक के साथ बाइक पर सवार होकर इयूटी के लिए निकले।

गांव के मोड़ पर पहुंचे ही थे कि एक रफ्तारी पिकअप गाड़ी ने बाइक पर पीछे बैठे जितेंद्र को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही वह नीचे गिरे और काफी चोट आई। उन्हें दिल्ली के सफदर्जग अस्पताल में ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत की पुष्टि कर दी गई। इसके बाद पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा दिया। बेटे सागर के बयान पर बादली थाना पुलिस ने आरोपी पिकअप चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हरियाणावी लोक-संस्कृति में कनागत का दार्शनिक स्वरूप

‘श्राद्ध’ संस्कृतनिष्ठ शब्द है, किंतु गांव के सामान्य जीवन में ‘कनागत’ अधिक आत्मीय और परिचित शब्द बन गया। वस्तुतः 'कनागत' शब्द मूलतः संस्कृत के ‘कन्यागत’ से अपभ्रंश होकर बना है। ज्योतिष और पंचांग के अनुसार, आश्विन कृष्ण पक्ष में सूर्य कन्या राशि में गोचर करता है।



संस्कृति
आंचल शर्मा



सामूहिक स्मृति के प्रतीक हैं। पितरों को याद करना अपने अतीत को स्वीकार करना है और यह स्वीकार करना भी है कि वर्तमान पीढ़ी अकेली नहीं है; उसके पीछे कई पीढ़ियों के श्रम, अनुभव और संस्कार जुड़े हुए हैं। हरियाणा की भौगोलिक और सांस्कृतिक संरचना को देखें तो सरस्वती से संबंधित तीर्थों का इस परंपरा में विशेष स्थान है। इममें कुरुक्षेत्र जनपद का पिहोवा, प्राचीन पृथुदक, सबसे महत्वपूर्ण पितृतीर्थों में गिना जाता है। पृथुदक का महत्त्व केवल किसी आधुनिक धार्मिक परंपरा का परिणाम नहीं है। यह प्राचीन काल से ही कुरुक्षेत्र क्षेत्र के महत्वपूर्ण तीर्थों में रहा है। पुराणों, महाभारत और बाद के साहित्य में इसके उल्लेख मिलते हैं। पिहोवा के प्राचीन नाम पृथुदक की व्युत्पत्ति राजा पृथु से जोड़ी गई है और यह परंपरा बताती है कि पृथु ने अपने पिता के निधन के बाद सरस्वती के तट पर श्राद्ध किया तथा वहां जल अर्पित किया। इसी परंपरा से पृथुदक नाम की व्याख्या की जाती है। पिहोवा के सरस्वती तीर्थ में आज भी श्राद्ध और पिंडदान की परंपरा जीवित है। चैत्र कृष्ण चतुर्दशी से संबंधित यहां का मेला भी पुरानी तीर्थ परंपरा से जुड़ा हुआ माना जाता है। पिहोवा से संबंधित एक और महत्वपूर्ण पक्ष उसका प्राचीन अभिलेख है। हरियाणा का दूसरा महत्वपूर्ण पितृ

तीर्थ पांडु-पिंडारा है, जो जींद क्षेत्र में स्थित है। इसके नाम में ही पिंडदान की स्मृति सुरक्षित है। मान्यता है कि युद्ध के बाद पांडवों ने यहां मृत योद्धाओं के लिए पिंडदान किया था। यहां सोमवती अमावस्या को पितृकर्म का विशेष महत्व माना गया है। कैथल जनपद के फरल गांव में स्थित फल्गु तीर्थ का पितृपक्ष और पितृ-कर्म से अत्यंत गहरा और प्राचीन संबंध है। वामन पुराण के अनुसार, यह पवित्र स्थल कुरुक्षेत्र भूमि के सात प्राचीन वनों में से एक 'फलकीवन' का हिस्सा रहा है। मान्यता है कि महर्षि फल्क ने इसी तपोभूमि पर कठोर साधना की थी, जिसके परिणामस्वरूप इस तीर्थ और गांव का नाम क्रमशः फल्गु और फरल पड़ा। महाभारत, वामन पुराण, मत्स्य पुराण और नारद पुराण जैसे प्राचीन ग्रंथों में इस तीर्थ का विस्तृत वर्णन उपलब्ध है। यहां 17वीं शताब्दी की मुगलकालीन शैली में निर्मित शिव मंदिर, नागर शैली का राधा-कृष्ण मंदिर, एक विशाल सरोवर और एक अति-प्राचीन वटवृक्ष आज भी मौजूद हैं। इस पावन तीर्थ के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग, हरियाणा और फल्गु मंदिर सुधार समिति द्वारा 'फल्गु लोककला महोत्सव' का भी आयोजन किया जाता है। ‘श्राद्ध’ संस्कृतनिष्ठ शब्द है, किंतु गांव के सामान्य

पांडु-पिंडारा तीर्थ

हरियाणा के जींद जिले में स्थित पांडु-पिंडारा तीर्थ पितरों के पिंडदान, तर्पण और श्राद्ध के लिए देश के सबसे पवित्र और महत्वपूर्ण स्थानों में से एक माना जाता है। इसे 'हरियाणा का गया' भी कहा जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, महाभारत के युद्ध के बाद पांडवों ने युद्ध में मारे गए अपने परिजनों और पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए यहां पिंडदान किया था। यह विश्वास किया जाता है कि यहीं पिंडदान करने से पूर्वजों और पितरों की आत्मा को सीधे मोक्ष और सद्गति प्राप्त होती है।

श्राद्ध के पीछे जो मूल भाव

है, वह है जिससे पाया, उसे याद रखना; जिसने जीवन दिया, उसके प्रति कृतज्ञ होना और आने वाली पीढ़ी को यह बताना कि परिवार की कहानी वर्तमान पीढ़ी से शुरु नहीं होती।

का प्रतीक बन जाता है। पिंड अर्पित करने वाला व्यक्ति अपने पूर्वज के प्रति यह स्वीकार करता है कि उसके वर्तमान जीवन में उस पूर्वज का योगदान है। तर्पण में जल अर्पित करना भी इसी भाव का विस्तार है। जल जीवन का मूल तत्व है और भारतीय परंपरा में जल के माध्यम से स्मरण, शांति और तुष्टि की कामना की जाती है। हरियाणा जैसे कृषि-प्रधान समाज में अन्न और पितृस्मृति का संबंध और अधिक अर्थपूर्ण हो जाता है। जिस भूमि पर पूर्वजों ने खेती की, जिस कृएं या तालाब से उन्होंने जल लिया, जिस घर की नींव उन्होंने रखी, उसी जीवन-परंपरा को आगे बढ़ाने वाली पीढ़ी श्राद्ध में अन्न और जल अर्पित करती है। इस दृष्टि से पितृपक्ष प्रकृति, कृषि, परिवार और स्मृति को जोड़ने वाला सांस्कृतिक अवसर भी है। हरियाणवी लोकगीतों में प्रत्यक्ष रूप से 'पिंडदान' शब्द अपेक्षाकृत कम दिखाई देता है, जबकि 'पितर', 'कनागत', 'श्राद्ध', 'तेरहवीं' जैसे शब्द लोकव्यवहार और लोकस्मृति में अधिक सहज हैं। हरियाणवी शब्दकोशीय परंपरा में 'तेरहवीं' का संबंध मृत्यु के तेरहवें दिन के कर्म से तथा पिंडदान से बताया गया है। इससे स्पष्ट होता है कि पिंडदान का विचार लोकजीवन में केवल पितृपक्ष तक सीमित नहीं था; मृत्यु के बाद होने वाले संस्कारों में भी उसका अपना स्थान था। जहां धर्मग्रंथ 'श्राद्ध' की विधि बताते हैं, वहीं लोकगीत 'पितर' को याद करते हैं; जहां पुराण तीर्थ-माहात्म्य का वर्णन करते

हैं, वहां लोकगीत 'कनागत' के आने की सूचना देते हैं; जहां तीर्थ पर पिंडदान का कर्म होता है, वहां लोकगीत परिवार और पूर्वज के बीच भावनात्मक संबंध को स्वर देते हैं। हरियाणा के पितृतीर्थों और लोकगीतों के बीच यही सबसे महत्वपूर्ण सांस्कृतिक सेतु है। पिहोवा में सरस्वती के तट पर किया गया श्राद्ध हो, पांडु-पिंडारा की पौराणिक स्मृति हो अथवा फल्गु तीर्थ में पितृकर्म, इन सभी के पीछे एक ही मूल चेतना दिखाई देती है: पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता। तीर्थ इस कृतज्ञता को पवित्र स्थान देता है और लोकगीत उसे जनभाषा देते हैं। वर्तमान में शहरीकरण, संयुक्त परिवारों के विघटन और जीवनशैली में परिवर्तन के कारण अनेक लोकरीतियां धीरे-धीरे सीमित होती जा रही हैं। फिर भी 'कनागत' शब्द आज भी हरियाणा की बोलचाल में जीवित है और पितृपक्ष के अवसर पर तीर्थों की ओर जाने की परंपरा भी समाप्त नहीं हुई है। पिहोवा और फल्गु जैसे तीर्थों में आज भी श्रद्धालुओं की उपस्थिति यह बताती है कि पितृ-स्मृति केवल अतीत की वस्तु नहीं बनी है।

इस पूरी परंपरा को केवल कर्मकांड मानकर देखना हरियाणा के लोकजीवन के एक बड़े सांस्कृतिक पक्ष को अनदेखा करना होगा। श्राद्ध के पीछे जो मूल भाव है, वह है जिससे पाया, उसे याद रखना; जिसने जीवन दिया, उसके प्रति कृतज्ञ होना और आने वाली पीढ़ी को यह बताना कि परिवार की कहानी वर्तमान पीढ़ी से शुरू नहीं होती। पितृपक्ष इसीलिए स्मृति का पर्व है। यह मृतकों का ही नहीं, जीवितों के आत्मबोध का भी समय है। हरियाणा में पितृपक्ष को समझने के लिए केवल श्राद्ध-विधि या पिंडदान की धार्मिक प्रक्रिया का अध्ययन पर्याप्त नहीं है। पिहोवा से लेकर पांडु-पिंडारा और फल्गु तीर्थ तक फैली तीर्थपरंपरा, 'कनागत' जैसे लोकशब्द, सांझी के गीतों में 'पितरों' का स्मरण, मृत्यु-संस्कारों में पिंडदान और परिवार में 'दादा-पितर' के प्रति सम्मान, इन सभी को एक साथ रखकर देखने पर हरियाणा की पितृ-संस्कृति का वास्तविक स्वरूप सामने आता है। यह संस्कृति मृत्यु को अंत मानने के बजाय वंश परंपरा की निरंतरता के रूप में देखती है। पितृपक्ष इसी निरंतरता का वार्षिक स्मरण है, जिसके आत्मीय स्वर हरियाणवी लोकगीतों में सुनाई पड़ते हैं।

कविता

नरेन्द्र कुमार

नशे की लत

ऐसी नशे की लत लागी, छौडै से छुड़ती कोन्या।
तंग आकर बाँबी मागी, टूटी शादी जुड़ती कोन्या।।

एक-एक कर पैक पिलाते, वही देरस्त दुक्कार देते।
इसने दारू पी रखी है, गली बीच लतकार देते।।

या राह श्मशान जाती, मोड़ै से मुड़ती कोन्या।
ऐसी नशे की लत लागी, छौडै से छुड़ती कोन्या।।

पहला पैक फ़्री में मिलता, फिर वे घर तक खाते बेव।
पड़ोसी से झगड़ा करते, तीन-चार लग जाते केसा।।

दो - तीन तारीख तक तो, कोर्ट भी सुनती कोन्या।
ऐसी नशे की लत लागी, छौडै से छुड़ती कोन्या।।

चोरी करते, जारी करते, झूठ बोलना इनका पेश।
खाते - पीते कुछ है नहीं, शरीर बना तिनके जैसा।।

चालते को चक्कर आते, देही में फुर्ती कोन्या।
ऐसी नशे की लत लागी, छौडै से छुड़ती कोन्या।।

कमी किडनी,कमी लीवर, रोज चट्टे इनके फीवर।
बदबू ऐसी आती है , ज्यों दक्कन खिसके सीवर।।

भला क्या करे दुसरो का, जिनको खुद सुर्ती कोन्या।
ऐसी नशे की लत लागी, छौडै से छुड़ती कोन्या।।

आपे डूबै, कुनबा डूबै , बाँबी दिया रे संसार।
इस नशे को तुम खत्म कर , अब खूब करो ये प्रचार।।

नशा ना होता तो शायद न छुज्जात लुटती कोन्या।
ऐसी नशे की लत लागी, छौडै से छुड़ती कोन्या।।

धरोहर

समय बदलने के साथ आज स्टील और दूसरे आधुनिक बर्तनों ने ले ली मिट्टी के बर्तनों की जगह

ख़ाद्य परंपरा का हिस्सा कहलाती थी मिट्टी की कढ़ावणी

करीबन दो दशक पहले तक गांव में कढ़ावणी मिल जाया करती थी। थोड़ा और पीछे जाएं तो वह समय याद आता है जब गांव के लगभग हर घर में गाय-भैंस हुआ करती थीं। दूध, दही, लस्सी, ची और अलुणा को यानी मक्खन घर की रोजमर्रा की जरूरत का हिस्सा थे। इनके प्रबंधन की जिम्मेदारी प्रायः मां और दादी के हिस्से में होती थी। रसोई से लेकर पशुओं और दूध-दही की पूरी व्यवस्था तक, उनका अनुभव ही सबसे बड़ा विज्ञान था।

मिट्टी से बने जिस मटकेनुमा बर्तन को आप चित्र में देख रहे हैं, उसे कढ़ावणी कहते थे। मेरी उम्र के गांव वाले मित्र इसे जरूर पहचानेंगे। इसका मुंह और पेट दोनों चौड़े होते थे। कुम्हार अपनी कारीगरी से इसे सुंदर आकार देता था। कढ़ावणी केवल दूध रखने का बर्तन नहीं थी, बल्कि गांव की एक पूरी खाद्य परंपरा का हिस्सा थी। सुबह दूध बांटने के बाद बचा हुआ दूध कढ़ावणी में डाल दिया जाता। घर के आंगन के किसी कोने में थोड़ी जमीन खोदकर मिट्टी के लेप से हारा बनाया जाता। उसमें उपलों

के टुकड़े गोलाकार रखकर हल्की आग सुलगा दी जाती और उनके ऊपर कढ़ावणी रख दी जाती। उपले दिनभर धीरे-धीरे सुलगते रहते और दूध धीमी आंच पर पकता रहता। बीच-बीच में मां या दादी आकर देख लेतीं कि दूध उफनकर बाहर तो नहीं आ रहा। कढ़ावणी का ढक्कन भी कम दिलचस्प नहीं था। मिट्टी से बने इस ढक्कन को झावला कहा जाता था। उसमें बने छोटे-छोटे छेद भाप को बाहर निकलने का रास्ता देते थे। जब हारे में उपले अंगारे बनने लगते और दूध में तेज उबाल आता, तो यही छेद उफान को नियंत्रित करते और दूध बाहर निकलने से बच जाता। आग ज्यादा तेज हो जाए तो दादी झावला उतार देतीं और कुछ देर वहीं बैठकर दूध की रखवाली करतीं। बिना किसी आधुनिक उपकरण के, अनुभव से बनी यह व्यवस्था अपने आप में एक देसी विज्ञान थी। धीमी आंच पर दिनभर पकते-पकते शाम तक दूध गेरुआ रंग लेने लगता। ऊपर तिरमिरे वाली मलाई जमती, जिसकी अपनी ही मिठास थी। शाम को पूरा दूध बिलोवणे में पलोह दिया जाता। कढ़ावणी के पेट पर ऊपर-नीचे चिपकी मलाई को छिप्टी और खुरचण से उतारकर बिलोवणे में डाल दिया जाता। फिर दूध में जाम्मण देकर उसे पीढ़े पर रखकर बांध दिया जाता। रस्सी से बांधना जरूरी था, क्योंकि रात में बिल्ली या कुत्ता दही बनने से पहले ही उसमें मुंह मार जाए तो सुबह घर में हंगामा तय था। ऐसी स्थिति में मां या दादी की भटक पूरे दिन शांत नहीं होती थी। आज के हिसाब से कहें तो वह उनका देसी 'ब्लाइ प्रेशर' था और किसी न किसी बच्चे की कुटाई की संभावना बनी रहती थी। दही जमाने में मौसम का भी ध्यान रखा जाता। सर्दियों में बिलोवणे को गर्म काड़े से ढक

दिया जाता ताकि दही ठीक से जम सके। सुबह तक वही दूध दही बन जाता। उससे लस्सी तैयार होती, मक्खन निकलता और घर में ललवासी लस्सी की ठंडक फैल जाती। यह सिर्फ भोजन बनाने की प्रक्रिया नहीं थी; इसमें पशुपालन, मिट्टी के बर्तन, ईंधन, परिवार और घरेलू श्रम, सब एक-दूसरे से जुड़े थे। फिर समय बदला। पशु पालने वाले कम होते गए। संयुक्त परिवार टूटकर एकल परिवारों में बदल गए। बड़े आंगन छोटे हो गए और हारे-उपलों की जगह गैस के चूल्हों ने ले ली। कुम्हार के मिट्टी के बर्तनों की जगह स्टील और दूसरे आधुनिक बर्तनों ने ले ली। कढ़ावणी भी धीरे-धीरे घरों से गायब हो गई। उसकी जगह उसी आकार के चमचमाते सिल्वर के देगचे ने ले ली। आधुनिक जीवन ने सुविधा जरूर बढ़ाई, लेकिन उसके साथ

उस स्वाद और अनुभव का एक हिस्सा भी चला गया। आज दूध कुछ मिमनों में गर्म हो जाता है, दही जल्दी जम जाती है और लस्सी मिक्सर में तैयार हो जाती है। हमारा उपलों की धीमी आंच पर दिनभर पकते दूध की वह खुशबू, कढ़ावणी की मिट्टी का स्पर्श और शाम को जमती तिरमिरे वाली मलाई अब कहां मिलती है? कढ़ावणी की याद दरअसल एक बर्तन की याद भर नहीं है। वह उस जीवन की स्मृति है जिसमें आंगन में पशु बंधते थे, कोने में हारा सुलगता था, बच्चे मलाई पर नजर रखते थे और मां-दादी की आवाजों से घर भरा रहता था।

कम साधनों के बावजूद उस जीवन में आत्मनिर्भरता और अपनापन खूब था। आज शायद ही किसी घर में कढ़ावणी बची हो और आज के बच्चे इससे परिचित हों। हां, कढ़ावणी तो चली गई, लेकिन एक विडंबना यह है कि उसकी जगह घर-घर में कड़वाहट जरूर दिखाई देने लगी है। इस चित्र को देखकर शायद गांव से जुड़े बहुत से लोगों को अपना बचपन याद आ रहा होगा—मां, दादी, आंगन, हारा, उपले, गेरुआ दूध, मलाई, बिलोवणे, दही, मक्खन और ललवासी लस्सी। साथ में दादी की वह डांट भी, जो उस समय भले ही भारी लगती थी, लेकिन आज वही बचपन की मीठी स्मृतियों का हिस्सा है। समय बहुत कुछ बदल देता है। बर्तन बदल जाते हैं, चूल्हे बदल जाते हैं, घर बदल जाते हैं, लेकिन उनसे जुड़ी स्मृतियां नहीं बदलतीं। कढ़ावणी भी ऐसी ही स्मृति है—मिट्टी, गांव और उस जीवन की, जिसमें स्वाद केवल खाने में नहीं, रिशतों और साथ में भी हुआ करता था। कढ़ावणी म्हारी सिर्फ रसोई की चीज नहीं थी, म्हारी मिट्टी, म्हारा स्वाद और म्हारी धरोहर थी।

राज़ल

कर्म चन्द केसर

इसे कसुते मौके आए कई दफा

इसे कसुते मौके आए कई दफा।
काम बिगड़ये बणे-बणाए कई दफा।

जिनकी खातर उमर गाळदे से माणस,
वै बी होज्यो कँरे पराए कई दफा।

आच्छी हरकत देख-देखके माणस की,
पशु - पखरे बा शरमाए कई दफा।

खाकै रुक्खी-सुक्खी पाणी पी सोये,
हमनै कोन्या लोग सँदाए कई दफा।

गम की गठडी धरदयो बेसक पेट्टी में,
आप्पे खुलजै ताळे लाए कई दफा।

जिनते मुँह के बोले नहीं थे सदियाँ ते,
झोल्ली देके मँने बुलाए कई दफा।

आप्पे कुआँ खोद जो पाणी पी लें थे,
वै बी देखखे मँने तिसाए कई दफा।

काम करया ना बिन रिखत उस बाबू नैं,
दफतर के थे चक्कर लाए कई दफा।

जीण-मरण के दाइये ला लें सैं केसर,
बैरी बणजै माँ के जाए कई दफा।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

कलाकार

डॉ. तबस्सुम जहां

आशा हुड्डा

आशा हुड्डा (सुप्रसिद्ध बॉलीवुड एक्टर रणदीप हुड्डा की मां) ने हरियाणावी लोककला पर आधारित फिल्म 'सांगी' से अभिनय की दुनिया में अपना कदम रखा है। उनकी यह पहली सिनेमाई पात्री वर्षों पुराने अभिनय के शौक और एक नए सपने के साकार होने की कहानी है। अपनी पहली ही फिल्म में लाजवाब अभिनय के लिए इस वर्ष हाइफ़ा कला साधना अवॉर्ड और फिल्म के लिए फाउंडर चॉइस बेस्ट फिल्म अवॉर्ड हासिल करने वाली आशा हुड्डा का जन्म झज्जर जिले के छारा गांव में हुआ। उन्होंने रोहतक के गवर्नमेंट कॉलेज फॉर वुमन से बीए किया, बाद में पॉलिटेक्निक साइंस और बीएड की पढ़ाई पूरी की तथा मॉडल स्कूल, रोहतक में शिक्षिका के रूप में भी सेवाएं दीं। उनके पति राजन हैं।

'सांगी' की लोककला उन्हें इसलिए भी प्रभावित करती है कि यह गांवों में मनोरंजन का सहज और सरला माध्यम रही है, जिसे देखकर लोगों के चेहरे पर मुस्कान आती है और वे अपनी लोक संस्कृति से भी जुड़ते हैं। इस फिल्म में उन्हें नानू का किरदार बहुत पसंद आया क्योंकि वह सच्ची दोस्ती की मिसाल प्रस्तुत करता है। वे कहती हैं कि यदि आगे भी ऐसा कोई मां या धाकड़ दादी का किरदार आया तो वह जरूर करेंगी। उभ के इस पदाव पर अभिनय शुरू करने के बारे में वे बताती हैं कि उनकी आरम्भ से ही अभिनय का शौक रहा है। स्वयं उनके शब्दों में - 'कॉलेज में मेरा एक जुनून था नाटकों में भाग लेना। सांगी फिल्म से मेरा यह सपना साकार हुआ। हालांकि आशा की यह पहली फिल्म थी लेकिन उन्हें कैमरा, संवाद, अभिनय या पूरे फिल्मी माहौल के साथ तालमेल और सेट तक पहुंचने के लिए कोई संघर्ष नहीं करना पड़ा। 'सांगी' को बेस्ट फिल्म फाउंडर चॉइस अवॉर्ड मिलना आशा हुड्डा के लिए नई कलाकार के रूप में बेहद सम्मान और खुशी का क्षण रहा, जिसे उन्होंने लोगों के साथ साझा किया और खूब बधाइयां मिलीं। इस सम्मान ने उन्हें अपने मीतर छिपे अभिनय के जज्जे का एहसास कराय़ा और मन में यह विचार भी आया कि काश उन्होंने इस हुनर को 20 साल पहले ही पहचानकर इसका इस्तेमाल किया होता। हाइफ़ा फिल्म फेस्टिवल के बारे में उन्होंने बताया कि ऐसे

फेस्टिवल क्षेत्रीय सिनेमा और नए कलाकारों को वह मंच देते हैं, जो उन्हें मुख्यधारा के सिनेमा में आख़ानी से नहीं मिलता। हरियाणा में एक से एक टैलेंट भरा पड़ा है। ये कलाकार अपनी मेहनत के बल पर अपने हरियाणा में भी नाम कमा सकते हैं और बॉलीवुड में भी जा सकते हैं। एक मंच की कमी रहती है, हाइफ़ा उनको ये मंच देता है। आशा बताती हैं कि जब उनके बेटे रणदीप हुड्डा को पता चला कि उनकी मां 'सांगी' में अभिनय कर रही हैं, तो वे बेहद खुश हुए। कमी उन्होंने मजाक में रणदीप से कहा था कि उन्हें मां का रोल जरूर देना, जिस पर वह हंस पड़े थे, लेकिन अब उन्होंने गंभीरता से कहा कि यदि कोई भूमिका उन्हें सूट करेगी तो वह उन्हें जरूर मौका देंगे। अपनी मां

की परफॉर्मेंस देखकर रणदीप ने उनकी प्रतिभा की सराहना की और आगे भी काम करने का भरोसा दिलाया। रणदीप ने मजाकिया अंदाज में कहा कि जब मां के रोल का समय था, तब उन्हें समय नहीं मिला और संधी दादी का किरदार कर लिया। आशा हुड्डा बताती हैं कि उन्हें बेटे की यह प्रतिक्रिया बहुत अच्छी लगी, खासकर इसलिए रणदीप ने फिल्म देखी और उन्हें उनका किरदार पूरी फिल्म में बेहद पसंद आया। आशा हुड्डा ने बताया कि अभिनय में आने का सपना उन्होंने कभी पीछे नहीं छोड़ा, क्योंकि ऐसा कोई अवसर ही नहीं आया और 1994 से राजनीति में सक्रिय रहने के कारण इस दिशा में सोचने का मौका भी नहीं मिला। उनका मानना ​​है कि जीवन

ख़बर संक्षेप

तीन दिवसीय स्वास्थ्य जांच शिविर आज से

झज्जर। डीएमसी जगनिवास ने बताया कि सेवा संकल्प अभियान के तहत सेवा मेरा योगदान मॉडयूल अनुसार जिले में सफाई कर्मचारियों व सीवरमैन के लिए तीन दिवसीय जिला स्तरीय स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन सोमवार को संवाद भवन परिसर में लगाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इन शिविरों का उद्देश्य सफाई कर्मचारियों व सीवरमैन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने के साथ-साथ उन्हें स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के प्रति जागरूक करना है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत दुजाना में कैप आज

झज्जर। जिलाभर में सेवा संकल्प अभियान के तहत आमजन को सरकार की योजनाओं का लाभ उनके नजदीक पहुंचाने के उद्देश्य से शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में सेवा सेतु कैप लगाए जा रहे हैं। जिप सीईओ मनीष फौगट ने बताया कि सोमवार को गांव दुजाना, मंगलवार को गांव सिलाना तथा बुधवार को बहादुरगढ़ ब्लॉक मुख्यालय में सेवा सेतु कैप लगाया जाएगा।

स्टार्टअप व नवाचार कार्यक्रम आज से

झज्जर। जिला उद्योग केंद्र की संयुक्त निदेशक संजीत कौर ने बताया कि सेवा संकल्प अभियान के तहत सेवा फस्ट इनोवेशन चैलेंज मॉडयूल के अंतर्गत जिले के विभिन्न राशिकीय महाविद्यालयों में स्टार्टअप एवं एमएसएमई नवाचार को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिनके तहत विद्यार्थियों को केंद्र एवं राज्य सरकार की स्टार्टअप तथा एमएसएमई से संबंधित योजनाओं, नवाचार और स्वरोजगार के अवसरों की जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रमों का उद्देश्य विद्यार्थियों को नवाचार, उद्यमिता और स्टार्टअप के क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों से अवगत करवाना है।

अस्पताल व पार्क के गेट से बाइक चोरी

बहादुरगढ़। इलाके में दोपहिया वाहनो की चोरी नहीं थम रही। अब दो और लोगों ने पुलिस को शिकायतें दी है। एक की बाइक अस्पताल परिसर में से तो दूसरे को पार्क के गेट से चोरी हुई है। लाइनपार के निवासी मुकेश का कहना है कि शनिवार को वह अस्पताल में दवाई लेने गया था। बाइक परिसर में खड़ी कर दी। कुछ देर बाद आया तो नहीं मिली। उधर, मानन के निवासी साहिल का कहना है कि वह सेक्टर 9ए स्थित दयानंद पार्क में किसी काम से आया था। बाइक पार्क के गेट के बाहर खड़ी की थी। कुछ देर बाद बाहर निकला तो नहीं मिली। कोई अज्ञात शख्स चुरा ले गया है। इन शिकायतों पर सिटी थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एकमुष्ट निपटान योजना व्यापारियों के लिए लाभकारी

झज्जर। डीसी वर्षा खांगवाल ने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा छोटे व्यापारियों को लाभ देने के लिए शुरू की गई एकमुष्ट निपटान स्कीम को व्यापारियों ने प्राथमिकता देते हुए उसका लाभ उठाया है। इस स्कीम की कामयाबी को देखते हुए सरकार ने एक बार फिर निपटान योजना लागू की है। व्यापारी वर्ग नियमानुसार इस योजना का लाभ उठाकर पुराने बकाया करों का भुगतान सकते हैं। उन्होंने बताया कि इससे जीएसटी में कम से कम बकाया राशियों के साथ आगे बढ़ा जाए ताकि जीएसटी संग्रह को बढ़ाने में अधिक से अधिक समय और ध्यान दिया जा सके।

तुलसी सत्याग्रही पर्यावरण के सजग प्रहरी : महंत राजेंद्र दास

पर्यावरण प्रदूषण पूरी दुनिया के लिए बना चुनौती

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ बेरी

पर्यावरण प्रदूषण आज पूरी दुनिया के सामने गंभीर चुनौती बन चुका है। बढ़ता प्रदूषण, घटते हरित क्षेत्र, नशे और प्रकृति के असंतुलन से मानव जीवन प्रभावित हो रहा है। ऐसे समय में वृक्षारोपण और प्राकृतिक वनस्पतियों का संरक्षण पर्यावरण संतुलन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। तुलसी का पौधा भारतीय जीवन परंपरा का अविनश्य हिस्सा होने के साथ-साथ पर्यावरण जागरूकता का प्रभावी माध्यम भी बन सकता है। यह बात जटैला धाम के महंत राजेंद्र दास ने पर्यावरण सत्याग्रहियों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि



बेरी। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित महंत राजेंद्र दास एवं अन्य।

तुलसी सत्याग्रहियों ने तुलसी के पौधों को घर-घर और कार्यस्थलों तक पहुंचाकर पर्यावरण संरक्षण को एक पवित्र सामाजिक अभियान का

स्वरूप दिया है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण बचाने की जिम्मेदारी केवल सरकारों की नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की है। जब समाज

प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझकर पौधों का संरक्षण करता है, तभी पर्यावरण संरक्षण का संकल्प वास्तविक जनआंदोलन बनता है।

फोटो: हरिभूमि

विश्व पर्यटन दिवस पर चैंपियन रन में छाए बीआरजी के धावक

दौड़ के 41 से 50 आयु वर्ग में पवन व 10 किमी में सीमा रावत रही प्रथम



बहादुरगढ़। रन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बीआरजी के धावक।

सोनिया राणा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं, 50 प्लस आयुवर्ग की 10 किलोमीटर दौड़ में रणबीर सांगवान दूसरे और धर्मवीर तीसरे स्थान पर रहे। महिला वर्ग में ललिता पांडेय ने प्रथम स्थान हासिल किया। इसी तरह 30 प्लस 10 किलोमीटर वर्ग में राज कपूर मोर प्रथम और अजीत योगी तृतीय रहे। वहीं 70 प्लस वर्ग में सुनील सिकरी ने पहला स्थान प्राप्त किया। बीआरजी की बड़ी भागीदारी और प्रदर्शन को देखते हुए आयोजकों ने ग्रुप को विशेष अवॉर्ड

से सम्मानित किया। रन में दीपक छिल्लर सहित सत्यवान, नवीन राणा, अभिमन्यु हुड्डा, गुलाब सिंह, निकुंज, इकलास, अंजुम, नरेंद्र, संतोष बंसल, रोशन लाल, नितिन कुमार, रोहतास, संजू सेनी, आशिक, लक्ष्मी नारायण, राम सागर, ब्रह्म प्रकाश मान, सौरभ मलिक, देवेन्द्र किशोर प्रसाद, अमन सागर, अदिति सागर, राजेश, सुनील सिकरी, डॉ. संतोष कुमार, कविता सिकरी, ललिता पांडेय, सुधीर तेवतिया और उरीरेई देवी समेत अन्य सदस्यों ने भाग लिया।



बहादुरगढ़। कोचों के साथ पॉडियम पर विजेता खिलाड़ी।

फोटो: हरिभूमि

दौड़ में खुशी तो जैवलिन में नैन्सी ने मारी बाजी

बहादुरगढ़। रविवार को 22वीं झज्जर डिस्ट्रिक्ट जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप का समापन हो गया। समापन समारोह में ओलंपियन कर्नल संत कुमार ने विजेता खिलाड़ियों को मेडल और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। प्रतियोगिता के संस्थापक एवं ऑर्गनाइजिंग सेक्टर की करण राठी ने बताया कि 16 वर्ष आयु वर्ग की 60 मीटर दौड़ में खुशी ने स्वर्ण, हिमांशी ने रजत और हर्षिता ने कांस्य पदक जीता। जैवलिन थो में नैन्सी ने स्वर्ण, समीक्षा ने रजत और दीपशिखा ने कांस्य पदक हासिल किया। वहीं, 14 वर्ष आयु वर्ग की स्पर्धा में युग नांदल ने स्वर्ण, हितेश ने रजत और विवान ने कांस्य पदक प्राप्त किया। इसी आयु वर्ग की बालिका स्पर्धा में रितिका ने स्वर्ण, सोनू ने रजत और नव्या ने कांस्य पदक जीता। समारोह में एनआईएस क्वालीफाइड कोच सुनील खल्लू, विवेक राठी, जय भगवान, विकास दलाल, सुमित दलाल, ज्योति, रिंकु बगवांव, ओमवीर दहिया, संजय जाखड़, हेमंत कोच, जतिन कोकी, कुलदीप सांगवान, आशीष राठी, अमित जाखड़ा, संगीता, नेहा, रविंद्र और सितेंद्र डीपी सहित अन्य मौजूद रहे।

पेंशनर फैडरेशन का 24 घंटे का धरना कल

झज्जर। अखिल भारतीय राज्य सरकारी पेंशनर फैडरेशन के आह्वान पर पेंशनरों की विभिन्न मांगों को लेकर 29 सितंबर सुबह 10 बजे से 30 सितंबर सुबह 10 बजे तक लघु सचिवालय परिसर में 24 घंटे का धरना दिया जाएगा। जिला प्रधान दिलबाग सिंह दलाल और जिला सचिव देवेंद्र सिंह यादव ने सभी विभागों की यूनियनों से धरने में पहुंचकर सहयोग करने की अपील की है। उन्होंने बताया कि पेंशन रिवीजन, 18 माह के बकाया डीए का भुगतान, महंगाई राहत को मूल पेंशन में शामिल करने, मेडिकल कैशलेस सुविधा पूरी तरह लागू करने सहित कई मांगें लंबे समय से लंबित हैं। उन्होंने कहा कि आठवें वेतन आयोग की अनुशंसाएं आने तक 20 प्रतिशत ब्याज देने और परिवर्तित पेंशन राशि की वसूली अवधि घटाने की भी मांग है।

वाहनों के काफिले के साथ नूंह रैली में पहुंचे इनेलो कार्यकर्ता

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ बहादुरगढ़

पूर्व उपप्रधानमंत्री एवं इनेलो संस्थापक जननायक ताऊ देवीलाल की 113वीं जयंती के अवसर पर नूंह में हुई सम्मान दिवस महारैली में बहादुरगढ़ के भी काफी कार्यकर्ता शामिल हुए। इनेलो प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य शौला नफे सिंह राठी के नेतृत्व में वाहनों का काफिला नूंह के लिए रवाना हुआ।

इस दौरान कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। कार्यकर्ता ताऊ देवीलाल अमर रहे और इनेलो जिंदाबाद के नारे लगाते हुए रैली के लिए निकले। युवाओं के साथ महिलाओं और बुजुर्गों ने भी इसमें भागीदारी की। शौला नफे सिंह राठी



बहादुरगढ़। रवाना होने से पहले इनेलो जिंदाबाद के नारे लगाते कार्यकर्ता।

ने कहा कि ताऊ देवीलाल किसानों, मजदूरों और कमरे वर्ग की मजबूत आवाज थे। उन्होंने अपने कार्यकाल में बुजुर्गों के लिए वृद्धावस्था सम्मान पेंशन और किसानों की कर्जमाफी जैसी योजनाएं शुरू कीं। उन्होंने कहा कि नूंह में होने वाली सम्मान दिवस महारैली ऐतिहासिक होगी और इसमें

प्रदेशभर से बड़ी संख्या में लोग पहुंचेंगे। रैली के बाद प्रदेश की राजनीति में नया अध्याय शुरू होगा और कई लोग अन्य दलों को छोड़कर इनेलो में शामिल होने की घोषणा कर सकते हैं। महारैली के बाद इनेलो प्रदेश में अपनी राजनीतिक गतिविधियों को और तेज करेंगी।



झज्जर। दावे और आपत्तियों का निपटान करते हुए बीएलओ।

फोटो: हरिभूमि

मतदान केंद्रों पर बीएलओ ने प्राप्त किए दावे एवं आपत्तियां

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ झज्जर

रविवार को जिले के सभी मतदान केंद्रों पर बीएलओ मौजूद रहे। बीएलओ ने मतदान केंद्रों पर पहुंचने वाले नागरिकों एवं छात्र मतदाताओं से मतदाता सूची से संबंधित दावे एवं आपत्तियां प्राप्त की तथा आवश्यक जानकारी उपलब्ध करवाई। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा

खांगवाल ने बताया कि पात्र व्यक्ति का नाम सूची में नहीं होने पर फॉर्म-6, नाम-पता या अन्य विवरण में संशोधन के लिए फॉर्म-8 तथा अपात्र, मृत या स्थानांतरित मतदाता का नाम हटाने के लिए फॉर्म-7 के माध्यम से आबंदन किया जा सकता है। मतदाता सूची से संबंधित दावे एवं आपत्तियां 30 सितंबर तक प्रस्तुत की जा सकती हैं।

एम्प्लॉयबिलिटी रेडीनेस वर्कशॉप आज से

कार्यशाला में स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एंड कॉमर्स तथा स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के विद्यार्थी भाग लेंगे

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ झज्जर

विद्यार्थियों को रोजगार के लिए आवश्यक कौशल से सशक्त बनाने और उद्योग जगत की अपेक्षाओं के अनुरूप तैयार करने के उद्देश्य से संस्कारम विश्वविद्यालय द्वारा सीएनईएआर के साथ रणनीतिक साझेदारी के अंतर्गत सोमवार से तीन दिवसीय एम्प्लॉयबिलिटी रेडीनेस वर्कशॉप का आयोजन किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कॉर्पोरेट रिसोर्स सेंटर के प्रमुख ने बताया कि

विद्यार्थियों की रोजगार क्षमता और करियर तैयारी विश्वविद्यालय की प्राथमिकताओं में शामिल है। कार्यशाला में स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एंड कॉमर्स तथा स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के विद्यार्थी भाग लेंगे। इस दौरान विद्यार्थियों को रियल्टी निर्माण, साक्षात्कार की तैयारी, संचार कौशल, व्यक्तिगत विकास, करियर मार्गदर्शन और उद्योग जगत से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। संस्कारम विश्वविद्यालय द्वारा सीएनईएआर के साथ रणनीतिक साझेदारी के अंतर्गत सोमवार से तीन दिवसीय एम्प्लॉयबिलिटी रेडीनेस वर्कशॉप का आयोजन किया जाएगा।

महिला आयोग की सदस्य आज झज्जर में

झज्जर। हरियाणा राज्य महिला आयोग की सदस्य भारती सेनी सोमवार को झज्जर का दौरा करेंगी। इस दौरान वे विभिन्न सरकारी संस्थानों का दौरा एवं निरीक्षण करने के साथ संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक करेंगी। प्रवक्ता ने बताया कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार भारती सेनी सुबह नौ बजे पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का दौरा करेंगी। इसके बाद सुबह 10 बजे हैडक्वार्टर के साथ बैठक करेंगी। हरियाणा राज्य महिला आयोग की सदस्य भारती सेनी सोमवार को झज्जर का दौरा करेंगी। इसके उपरांत आयोग की सदस्य दोपहर 12 बजे वे नागरिक अस्पताल, दोपहर डेढ़ बजे महिला थाना, ढाई बजे वन स्टॉप सेंटर तथा साढ़े तीन बजे जिला कारागार का दौरा करेंगी।

खबर संक्षेप

भक्तमाला कथा छह अक्टूबर से

बहादुरगढ़। श्रीराधावल्लभ संकीर्तन प्रेमी मंडल बहादुरगढ़ और श्री राधेश्याम संकीर्तन मंडल की ओर से पांच दिवसीय श्रीभक्तमाल कथा का आयोजन किया जाएगा। यह धार्मिक आयोजन 6 अक्टूबर से 10 अक्टूबर तक चलेगा। आयोजकों के अनुसार, 6 से 9 अक्टूबर तक प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक कथा का आयोजन होगा। वहीं, 10 अक्टूबर को सुबह 10 बजे से कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कथा के दौरान संत-महात्माओं के सान्निध्य में श्रद्धालुओं को भक्तमाल की महिमा और भक्ति प्रसंगों का श्रवण करने का अवसर मिलेगा। आयोजन को लेकर तैयारियों की जा रही है। आयोजकों ने श्रद्धालुओं से कथा में पहुंचकर धर्मलाभ लेने की अपील की है।

शिविर में 135 ने कराई स्वास्थ्य जांच

बहादुरगढ़। ब्रह्म शक्ति संजीवनी हॉस्पिटल की ओर से रविवार को देवीलाल पार्क में निःशुल्क हृदय रोग जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में करीब 135 लोगों ने अपने हृदय की जांच करवाई। अस्पताल की विशेषज्ञों की टीम ने कहा कि आज बदलती जीवनशैली, खान-पान में बदलाव, बढ़ता तनाव, शारीरिक गतिविधियों की कमी और अन्य कारणों से हृदय रोग का खतरा लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में समय पर स्वास्थ्य जांच करवाकर हृदय रोग के खतरे को कम किया जा सकता है। उन्होंने लोगों से नियमित स्वास्थ्य जांच करवाने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया।



बहादुरगढ़। कार्यक्रम में मौजूद वर्कर व महिलाएं।

बालोर में निकाली गई पोषण जागरूकता रैली

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ बहादुरगढ़

पोषण माह के तहत गांव बालौर में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की ओर से जागरूकता रैली निकाली गई। रैली का आयोजन महिला एवं बाल विकास विभाग की सुपरवाइजर संगीता के नेतृत्व में किया गया। रैली में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं विमला, पूनम, लता और इस्सो देवी के साथ गांव की महिलाएं सुमन, रमेश और अनिता व गीता, ज्योति भी शामिल हुईं। रैली के दौरान आंगनवाड़ी

कार्यकर्ताओं और महिलाओं ने ग्रामीणों को सही पोषण, देश रोशन का संदेश दिया। उन्होंने बच्चों, गर्भवती महिलाओं और माताओं के लिए संतुलित एवं पौष्टिक आहार के महत्व के बारे में जानकारी दी। कार्यकर्ताओं ने बताया कि पोषण माह का उद्देश्य कुपोषण के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना है। इस दौरान ग्रामीणों को हरी पत्तेदार सब्जियों और स्थानीय स्तर पर उपलब्ध पौष्टिक खाद्य पदार्थों को भोजन में शामिल करने के लिए प्रेरित किया गया।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अख़बार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अख़बार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

बहादुरगढ़ :- सुरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़

झज्जर :- पुराना बर्फ़ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर

फ़ोन :- 8295154800, 8295738500, 8614993942, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है

मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।

तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश

आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईंज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 × 8 से.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	₹. 2500/-
10 × 8 से.मी		₹. 3000/-

+5% GST Extra

नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त टाईज पर मान्य। अन्य किसी साईंज के लिए कोई रेट लागू।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें

झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ़ खाना रोड, शिव चौक, फ़ोन : 8295876400

बहादुरगढ़ :- सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया क्षमावाणी पर्व बैंड-बाजों, झांकियों व विंटेज कारों के साथ निकली रथ यात्रा

यात्रा गांधी चौक स्थित श्री पद्म प्रभु दिगंबर जैन मंदिर से शुरू होकर पांडूशिला, अग्रवाल कॉलोनी स्थित श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर पहुंची, जहां समिति पदाधिकारियों और सदस्यों ने यात्रा का स्वागत किया

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ बहादुरगढ़

श्री प्रभु दिगंबर जैन मंदिर में रविवार को सकल दिगंबर जैन समाज की ओर से क्षमावाणी महापर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बैंड-बाजों, आकर्षक झांकियों और विंटेज कारों के साथ भव्य वार्षिक रथ यात्रा निकाली गई। यात्रा गांधी चौक स्थित श्री पद्म प्रभु दिगंबर जैन मंदिर से शुरू होकर पांडूशिला, अग्रवाल कॉलोनी स्थित श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर पहुंची, जहां समिति पदाधिकारियों और सदस्यों ने यात्रा का स्वागत किया। समारोह में समाजसेवी एवं उद्यमी पवन जैन मुख्यातिथि रहे। एसडीएम अभिनव सिवाच (आईएसएस) सहित दिल्ली से पहुंचे नीरज जैन, कोमल जैन और संजय जैन विशिष्ट अतिथि रहे। समाज के पदाधिकारियों और आयोजन समिति के सदस्यों ने अतिथियों का पटक पहनाकर व स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। मुख्यातिथि पवन जैन ने कहा कि हर जीव के प्रति दया और करुणा का भाव रखना चाहिए तथा अहिंसा के मार्ग पर चलना चाहिए। एसडीएम अभिनव सिवाच ने भगवान महावीर की शिक्षाओं और सिद्धांतों का उल्लेख करते हुए कहा कि क्षमावाणी पर्व जीवन में मधुरता, सद्भाव और आपसी सम्मान का संदेश देता है। समाज के संरक्षक आनंद प्रकाश जैन, मदन सैन जैन, प्रधान राकेश जैन, उपप्रधान नरेंद्र जैन, कोषाध्यक्ष दीपक जैन, महासचिव अरविंद जैन और पांडूशिला समिति प्रधान सुनील जैन ने भी विचार रखे।



बहादुरगढ़। रथ को खींचते एसडीएम अभिनव सिवाच व जैन समाज के मौजिज लोग।

इंद्रों की बोलियों में समाजजनों ने बह-चढ़कर लिया हिस्सा

कार्यक्रम में बच्चों को विभिन्न उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। रथ यात्रा से जुड़ी इंद्रों की बोलियों में भी समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रथम इंद्र की बोली 1.51 लाख रुपये में द्वाजंद नगर निवासी अशोक कुमार जैन ने लगाई। दूसरी बोली 51 हजार रुपये में संत कॉलोनी निवासी दीपक जैन, तीसरी 31 हजार रुपये में सुभाष जैन, चौथी 35 हजार रुपये में लाजपत राय

जैन और पांचवीं 21 हजार रुपये में भरतेश जैन ने लगाई। विंटेज कार की बोली 21 हजार रुपये में सरिता जैन व कपिल जैन तथा 15 हजार रुपये में महेशचंद जैन ने लगाई। इस अवसर पर संयोजक संजय जैन, तरसेम जैन, सलाहकार अमंगु जैन, सौरभ जैन, प्रचार मंत्री बिजेन्द्र जैन, पवन जैन, भंडारी नवीन जैन, डॉ. पंकज जैन, सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे।

कंबाइन मशीनों पर समय सीमा वापस लेने की मांग

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ बहादुरगढ़

ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अनूप सिंह मातनहेल और सचिव जयकण्ठ मांडौठी ने धान की कटाई-कढ़ाई के लिए हार्वेस्टर कंबाइन मशीनों के संचालन पर शाम 6 बजे से सुबह 10 बजे तक लगाई गई रोक को वापस लेने की मांग की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कंबाइन मशीनों की संख्या धान के रकबे के मुकाबले कम है। मशीनों के संचालन का समय सीमित करने से धान की कटाई में देरी होगी। इससे बारिश, तेज हवा और अन्य प्राकृतिक आपदाओं के कारण तैयार फसल खराब होने का खतरा बढ़ जाएगा। संगठन ने सरकार के

इस फैसले की आलोचना करते हुए इसे तुरंत वापस लेने की मांग की। संगठन पदाधिकारियों ने कहा कि सरकार किसानों की समस्याओं को नजरअंदाज कर रही है। परेशान करने वाले नियम लागू किए जा रहे हैं। उन्होंने सभी फसलों की एमएसपी पर खरीद की कानूनी गारंटी, किसान-मजदूरों को कर्ममुक्त करने, 10 हजार रुपये बुद्धापा पेंशन, 300 यूनिट मुफ्त बिजली, स्मार्ट मीटर योजना वापस लेने और बिजली के निजीकरण पर रोक लगाने की मांग की। इसके अलावा सभी बेरोजगार और अन्य समस्याओं को नजरअंदाज करने का आह्वान किया। हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. संजय सहस्वात ने कहा कि दोनों अस्पताल भविष्य में भी स्वास्थ्य और समाजसेवा से जुड़े ऐसे आयोजन करते रहेंगे। शिविर का आयोजन महाराजा अखंडेन सत नारायण गुप्ता अस्पताल के ब्लड बैंक सेंटर प्रमुख डॉ. गौरव जैन की देखरेख में हुआ। उनकी टीम ने रक्तदाताओं की जांच, रक्त संग्रह और अन्य प्रक्रिया को सुरक्षित एवं व्यवस्थित तरीके से पूरा किया।



रक्तदान कर बचाए मरीजों के जीवन

बहादुरगढ़। महाराजा अखंडेन सत नारायण गुप्ता अस्पताल और नारायण हार्ट एंड न्यूरो अस्पताल के संयुक्त सहयोग से रविवार को नारायण हार्ट एंड न्यूरो अस्पताल में रक्तदान शिविर लगाया गया। शिविर में लोगों के साथ अस्पताल के स्टाफ सदस्यों ने भी रक्तदान किया। नारायण हार्ट एंड न्यूरो अस्पताल के मालिक जितेंद्र सांगवान ने कहा कि रक्तदान जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवन बचावे वाला सहयोग है। उन्होंने लोगों से स्वैच्छ से रक्तदान करने का आह्वान किया। हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. संजय सहस्वात ने कहा कि दोनों अस्पताल भविष्य में भी स्वास्थ्य और समाजसेवा से जुड़े ऐसे आयोजन करते रहेंगे। शिविर का आयोजन महाराजा अखंडेन सत नारायण गुप्ता अस्पताल के ब्लड बैंक सेंटर प्रमुख डॉ. गौरव जैन की देखरेख में हुआ। उनकी टीम ने रक्तदाताओं की जांच, रक्त संग्रह और अन्य प्रक्रिया को सुरक्षित एवं व्यवस्थित तरीके से पूरा किया।

जिला स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में संस्कारम की छात्रा तनिष्का रही प्रथम

झज्जर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत बीते 24 सितंबर को राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आयोजित जिला स्तरीय भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता में संस्कारम पब्लिक स्कूल की छात्रा तनिष्का ने भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता में जिले के 25 से अधिक विद्यालयों से चयनित विद्यार्थियों ने भाग लिया। मेरे सपनों का भारत विषय पर अपने भाषण में तनिष्का ने शिक्षा, संस्कार, भ्रष्टाचार एवं बेरोजगारी से मुक्ति, स्वच्छता, समानता और सुरक्षा पर विचार रखे। उसने तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के साथ भारतीय संस्कृति, वेदों और योग को मजबूत बनाने की बात कही। संस्कारम ग्रुप के चेयरमैन डॉक्टर महिपाल ने छात्रा व उसके अभिभावकों को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य को कामना की है। उन्होंने बताया कि इससे पहले 18-19 सितंबर को हुई विद्यालय स्तरीय प्रतियोगिता में तनिष्का व चेष्टा का भारप्रेम तथा मन्मत व नक्षिता का कला प्रतियोगिता के लिए जिला स्तर पर चयन हुआ था।



हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ बहादुरगढ़

पूर्व पार्षद तथा राष्ट्रीय सैनी सभा हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष जसवीर सैनी ने पलवल में खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम से उनके निवास पर भेंट की। इस दौरान उन्होंने बहादुरगढ़ के खेल स्टेडियमों के लिए बजट उपलब्ध कराने पर मंत्री का आभार जताते हुए शेष स्टेडियमों को भी जल्द दुरुस्त कराने का आग्रह किया। सैनी के अनुसार, खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि प्रदेश

सरकार खेलों को बढ़ावा देने और खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश के सभी खेल स्टेडियमों को आधुनिक सुविधाओं से लैस करने पर सरकार का विशेष जोर है। इस अवसर पर रोहित सैनी, गौरव प्रधान, जीवन सैनी, कैलाश, श्यामलाल, मानक पार्षद, सुभाष शर्मा, धर्मवीर प्रधान, पुनीत प्रधान, हरीश, राजपाल प्रधान, नवीन जिला अध्यक्ष सहित अन्य उपस्थित रहे।

छारा गांव में सर्वसमाज महापंचायत में जुटे लोग

कुरीतियों के खिलाफ एकजुटता का आह्वान

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ बहादुरगढ़

सामाजिक कुरीतियों और बुराइयों के खिलाफ सामूहिक पहल को लेकर छारा गांव स्थित प्रकृतिलोक फार्म पर सर्वसमाज महापंचायत का आयोजन हुआ। महापंचायत में देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे खाप प्रतिनिधियों, सरपंचों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, शिक्षाविदों, विद्यार्थियों, अधिकारियों, पर्यावरणविदों और समाज सुधारकों के साथ विदेशों से आए लोगों ने भी भाग लिया। अलग-अलग क्षेत्रों और वर्गों से जुड़े लोगों ने एक मंच पर सामाजिक समस्याओं पर मंथन किया और इनके समाधान के लिए अपने सुझाव रखे।



बहादुरगढ़। गुरूप्रीत सिंह और अभय चौटाला का स्वागत करते आयोजक।

महापंचायत की अध्यक्षता गुरु गोबिंद सिंह के सेनापति पंज प्यारे भाई धर्म सिंह दलाल के वंशज अंतरराष्ट्रीय संत बाबा गुरप्रीत सिंह दलाल ने की। इनेलो नेता अभय सिंह चौटाला ने भी विशेष रूप से पहुंचकर महापंचायत को अपना समर्थन दिया। महापंचायत में अंतरराष्ट्रीय जाट समाधान के लिए अपने सुझाव रखे।

दांतल, हरियाणा अध्यक्ष सुरेश सिरौही जैलदार, प्रदेश प्रवक्ता खुशीराम दलाल, सर्वखाप महिला विंग की अध्यक्ष एवं राष्ट्रपति सम्मानित डॉ. संतोष दहिया, शिक्षाविद डॉ. जेपी दलाल, जय यूनाइटेड संगठन के अध्यक्ष रवि मलिक, मानवाधिकार संघ के अध्यक्ष जयवीर गहलवात, जॉर्जिया

पलड़ा में लगाए शिविर में 750 ने कराई जांच

- नेत्र जांच के बाद जरूरतमंद 400 लोगों को निःशुल्क चश्मे वितरित किए, 71 लोगों ने किया रक्तदान

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ झज्जर

ग्रामीण क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संस्कारम हॉस्पिटल की ओर से पलड़ा गांव स्थित हनुमान मंदिर में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 750 से अधिक लोगों ने स्वास्थ्य जांच कराकर विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श लिया। नेत्र जांच के बाद जरूरतमंद 400 लोगों को निःशुल्क चश्मे वितरित किए गए। रक्तदान अभियान में 71 लोगों ने रक्तदान किया। शिविर में जनरल मेडिसिन, नेत्र रोग, फिजियोथेरेपी,



झज्जर। कैप में आंखों की जांच करवाते हुए ग्रामीण।

सर्जरी, पंचकर्म, ईएनटी, ऑर्थोपेडिक्स और पीडियाट्रिक्स सहित विभिन्न विभागों के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने सेवाएं दीं। नेत्र जांच के दौरान दृष्टि संबंधी समस्या वाले लोगों की पहचान कर उन्हें निःशुल्क चश्मे उपलब्ध कराए गए। रक्तदान शिविर में ग्रामीणों और अन्य लोगों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की।

चिकित्सकों ने लोगों को नियमित स्वास्थ्य जांच, संतुलित जीवनशैली और समय पर उपचार लेने के महत्व के प्रति जागरूक किया। संस्कारम समूह के चेयरमैन डॉक्टर महिपाल ने भविष्य में भी ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य एवं जनकल्याण से जुड़ी गतिविधियां जारी रखने की बात कही।



झज्जर। खिलाड़ियों का परिचय लेते हुए मुख्यातिथि राम अहलावत।

वॉलीबॉल में खिलाड़ियों ने दिखाई प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ झज्जर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में चल रहे सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत क्षेत्र के गांव डीघल स्थित राजकीय कन्या स्कूल के खेल मैदान में वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में भाजपा किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष एवं बेरी विधानसभा से सेवा संकल्प अभियान के प्रभारी राम अहलावत

ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने कहा कि युवाओं को खेलों से जोड़ना समय की जरूरत है। खेलों से शारीरिक स्वास्थ्य के साथ अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। इस दौरान देव कुमार देवा, बलराज पहलवान, मनोज अहलावत, सोनू पहलवान, अजय, प्रदीप, देवेन्द्र, पूनम, शमशेर, राजपाल सिंह, रामचंद्र सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

छात्रों को दिखाई ‘द ट्रायल’ मूवी



हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ झज्जर

राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय में अंग्रेजी साहित्य परिषद के तत्वावधान में विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन एवं मनोरंजन के लिए फ्रैंज काफ़का द्वारा लिखित उपन्यास ‘द ट्रायल’ पर आधारित फिल्म का प्रदर्शन किया गया। विद्यार्थियों ने फिल्म को उत्साहपूर्वक देखा और इसके विषय एवं संदेश को समझने का प्रयास किया। फिल्म प्रदर्शन का

उद्देश्य विद्यार्थियों में सामाजिक जागरूकता, सकारात्मक सोच व मनोरंजन के माध्यम से सीखने की भावना को बढ़ावा देना रहा। महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉक्टर प्रताप फलसवाल ने कहा कि इस तरह की गतिविधियों से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास होता है। उन्होंने विद्यार्थियों को फिल्म से मिले सकारात्मक संदेश को अपने जीवन में अपनाने हेतु प्रेरित किया।

पीएम आवास योजना से 2597 परिवारों को मिली पक्की छत

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ बहादुरगढ़

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण झज्जर जिले के जरूरतमंद परिवारों को सुरक्षित और पक्के आवास उपलब्ध कराने में मददगार साबित हो रही है। जिले में अब तक 2597 लाभार्थी इस योजना के तहत अपना पक्का मकान बनाकर सुरक्षित छत का लाभ उठा चुके हैं। सेवा संकल्प अभियान के तहत सेवा की कहानी मॉड्यूल में बहादुरगढ़ खंड के गांव लोवा कलां निवासी भुला और बादली निवासी संजीव का भी जिक्र है। दोनों परिवार पहले कच्चे मकान में रहते थे। कमजोर छत के कारण बरसात में पानी टपकने और मकान की सुरक्षा को लेकर परिवार चिंतित रहता था। जिला परिषद के सीईओ मनीष फौगाट ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत मकान निर्माण के लिए तीन चरणों में 45 हजार, 60 हजार और



बहादुरगढ़। योजना के लाभ से बने पक्के मकान के साथ संजीव।

15 हजार रुपये की वित्तीय सहायता दी गई। इसके अलावा मनरेगा के अभिररण से लोवा कलां निवासी भुला को 36 हजार 500 रुपये और बादली निवासी संजीव को 16 हजार 436 रुपये की अकुशल श्रम मजदूरी का लाभ मिला। योजना और मनरेगा से मिली सहायता से दोनों परिवारों ने अपने पक्के मकान का निर्माण पूरा किया। अब उन्हें बरसात में छत टपकने और कमजोर मकान की चिंता नहीं रहती।



बहादुरगढ़। साथियों संग मन की बात कार्यक्रम देखते अनिल खत्री।

छात्रों के साथ सुनी मन की बात

बहादुरगढ़। हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन के उपाध्यक्ष एवं भाजपा नेता अनिल खत्री ने खिलाड़ियों और आमजन के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात के 138वें संस्करण को सुना। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत वैश्विक स्तर पर आर्थिक महाशक्ति के रूप में उभर रहा है। युवाओं को खेल और स्टार्टअप से जोड़कर राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका बढ़ाई गई है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की जीरो टॉलरेंस नीति देश की सुरक्षा के प्रति मजबूत संकल्प को दर्शाती है। इस दौरान खत्री की ओर पदमपाल, अक्षिषेक सहित कई युवा खिलाड़ी मौजूद रहे।